



हवामहल

बच्चों का झरोखा

16 मार्च 2024 | शनिवार | वर्ष : 4 | अंक : 203



3 + वर्ष के बच्चों के लिए | **Infobells**

होली का नाम लेते ही रंग और उल्लास का माहौल बन जाता है। हरा, गुलाबी, पीला, नीला, लाल और काला, सफेद और हर रंग होली में कुछ और ही खिल जाता है। होली के साथ ही मिठाइयाँ और मस्ती साथ ही चले आते हैं। देखते हैं चुन्नू मुन्नू और मुनिया इस होली में क्या धमाल करते हैं ? उनके साथ हम भी इस होली की मस्ती में शामिल होंगे। होली की ये कविता सुनने के लिए चित्र पर क्लिक करें।



6 + वर्ष के बच्चों के लिए | **BookBox**

आपको अपना स्कूल का पहला दिन याद है कि नहीं? अनजाने चेहरों के बीच आप को पहली बार कैसा लगा था ? आज रानी का स्कूल का पहला दिन है। वह माँ के साथ आई है। माँ का हाथ पकड़कर वह स्कूल आई है। क्या माँ को छोड़कर वह अकेली स्कूल के अंदर जाएगी ? क्या माँ भी उसके साथ स्कूल में बैठेगी ? सुनते हैं ये मजेदार कहानी। कहानी सुनने के लिए चित्र पर क्लिक करें।



6 + वर्ष के बच्चों के लिए | **Room to Read**

सब लोग तोतो को कहते रहते हैं चीज़ें बर्बाद मत करो। दादाजी, मम्मी और पापा सभी कहते हैं पैसे बचाओ, खाना बचाओ, समय बचाओ, ऊर्जा बचाओ। तोतो का यही सोचना है कि बचा कर क्या करें? तोतो क्या क्या बर्बाद करता रहता है? चलो देखते हैं इस कहानी में। बचत को लेकर क्या उसमें कुछ बदलाव आया? पढ़ते हैं ये पूरी कहानी। पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक करें।



6 + वर्ष के बच्चों के लिए | **Arvindguptatoys**

आज सब तरफ सोलर एनर्जी की चर्चा है। जर्मनी ने अपनी ऊर्जा की ज्यादातर जरूरतें सोलर एनर्जी से पूरी करने में कामयाबी हासिल की है। और सूरज तो सबके लिए खड़ा है मुफ्त में अपनी ऊर्जा लुटाते हुए, तो क्यों न हम भी सोलर से चलने वाला एक छोटा पंखा बनाकर देखें। आपको चाहिए एक छोटी मोटर, एक छोटा सोलर पैनल और एक पंखी। बनाने की विधि देखने के लिए चित्र पर क्लिक करें।



शिक्षकों के लिए | **Learning Curve**

बच्चों की लाइब्रेरी के लिए कहानी कविताओं वाली किताबों की बात खूब होती है। लेकिन बच्चों के सीखने में मैगजीन एक बड़ा संसाधन हैं इसकी बात कम ही होती है। नंदन, चंपक, पराग और अमर चित्र कथा जैसी पुरानी पत्रिकाओं के साथ अब चकमक, प्लूटो, साइकिल की बात कर रही हैं बिनिता और रुचि। आलेख पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक करें।



शिक्षकों के लिए | **Parag**

क्या सिर्फ किताबें होना एक जीवंत पुस्तकालय है ? क्या अलमारी में सजी हुई किताबों से ही पुस्तकालय जीवंत हो जाएगा ? अगर पुस्तकालय प्रभारी और शाला प्रधान इस बारे में सचेत न हों तो यह संग्रह बेकार पड़ा रहा जाएगा। चित्तौड़गढ़ के लाइब्रेरियन हरमान राम बता रहे हैं कि उन्होंने कैसे अपने पुस्तकालय को जीवंत बनाया। विडिओ देखने के लिए चित्र पर क्लिक करें।



#सबपढ़े

#सबबढ़े

साथियों, हवामहल का 203वां अंक आपके साथ साझा किया जा रहा है। आशा है इसके पाठकों की अपेक्षाओं पर यह खरा उतरेगा। अगले सप्ताह प्रसारित होने वाले अंक के लिए आप सभी से निवेदन है कि अपनी रचनाएँ बायीं ओर दी गई सझाव पेटिका के चित्र पर क्लिक कर भेजें। धन्यवाद।



आज की ऑडियो कहानी सुनने के लिए ऑडियो आइकन पर क्लिक करें।



हवामहल के सभी अंकों को प्राप्त करने के लिए QR कोड SCAN करें।

